वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 320 | शुक्रवार 24 अप्रैल 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जयपुर में 23 से 25 मई तक होने वाले ग्राम-2026 के सम्बंध में दिल्ली में हुआ इन्वेस्टर मीट

ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट

कृषि निवेश यात्रा को और आगे ले जाएगा 'ग्राम-2026': भजनलाल

किसान, कृषि विशेषज्ञ, नीति निर्माता एवं निवेशकों को मिलेगा एक मंच

कृषकों की आय बढ़ाने पर होगी चर्चा

मुख्यमंत्री ने 'ग्राम' में भाग लेने के लिए निवेशकों को किया आमंत्रित

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सशक्त किसान, समृद्ध भारत' के विजन को राज्य में धरातल पर साकार करने के लिए 23 से 25 मई तक जयपुर में होने वाला ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट(ग्राम)-2026 बड़ा मंच साबित होगा। इस आयोजन का उद्देश्य किसानों, कृषि विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं और निवेशकों को एक साथ लाकर कृषि प्रौद्योगिकी के माध्यम से किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत करना है। मुख्यमंत्री गुरुवार को नई दिल्ली में आयोजित ग्राम-2026 इन्वेस्टर मीट को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सभी निवेशकों एवं उद्यमियों को ग्राम-2026 में भाग लेने का आमंत्रण भी दिया। उन्होंने कहा कि 'ग्राम' के तहत गिरदावर सर्किल, उपखण्ड, जिला सहित प्रत्येक स्तर पर गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं, जिससे ज्यादा से ज्यादा किसान लाभान्वित हो सकें। उन्होंने कहा कि राजस्थान कृषि उत्पादन में देश का अग्रणी राज्य है। बाजरा, सरसों, तिलहन, जौ, ग्वार, ईसबगोल और जीरे के उत्पादन में राजस्थान देश में पहले स्थान पर है। इस विविधता से फूड प्रोसेसिंग, स्पाइस पार्क और एग्री-एक्सपोर्ट जैसे क्षेत्रों में उद्यमियों के लिए अपार संभावनाएं मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार उद्यमियों को निवेश अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन कर कृषि क्षेत्र में करीब 44 हजार करोड़ रुपये के एमओयू साइन किए गए, जिनमें से 9 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश धरातल पर उतर भी चुका है। ग्राम-2026 इसी निवेश यात्रा को और आगे ले जाने का मंच है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में पहली बार पश्चिम क्षेत्रीय जोनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। दलहन उत्पादन के मामले में झालावाड़ व टोंक जिलों को मॉडल जिलों के तौर पर विकसित किया जा रहा है। वहीं, केंद्र सरकार द्वारा भी प्रदेश में 3 लाख क्विंटल से अधिक बीज वितरण के लिए किसानों को अनुदान दिया जाएगा।

कृषि से जुड़ी गतिविधियों पर भी सरकार का फोकस

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में सौर ऊर्जा उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं। हमारी सरकार ने दो साल में एक हजार करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान जारी कर राज्य में 65 हजार से अधिक सौर पंप संयंत्र स्थापित करवाए हैं। इससे किसानों की बिजली लागत/खर्च में भारी कमी आई है और कृषि उत्पादकता में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि हमारी मंशा है कि किसानों को निकटतम ही प्रसंस्करण इकाई मिले और उनकी आय बढ़े। इस हेतु हम प्रोसेसिंग यूनिट, वेयरहाउस, डेयरी, मछली पालन, पशुपालन सहित अन्य कृषि से जुड़ी गतिविधियों पर भी फोकस कर रहे हैं। प्रदेश में डेढ़ हजार से अधिक कृषि प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित की गई हैं। साथ ही, प्रदेश में प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए फूड पार्कों हेतु भूमि चिन्हित की जा चुकी है। मसाला प्रकोष्ठ की स्थापना, राजस्थान स्पाइस कॉन्क्लेव का आयोजन तथा राजस्पाइस मोबाइल एप्लिकेशन विकसित करने जैसे नवाचार भी किए गए हैं।

पीएम फसल बीमा के तहत राजस्थान में सबसे ज्यादा पॉलिसी जारी

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए समर्पण के साथ कार्य कर रही है। हमने किसान सम्मान निधि की राशि बढ़ाकर 9 हजार रुपये की है। साथ ही, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत देश में सबसे ज्यादा 2 करोड़ 19 लाख पॉलिसी जारी की गई हैं तथा 6 हजार 500 करोड़ रुपये से अधिक के क्लेम वितरित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा किसानों को गेहूं की खरीद पर 150 रुपये बोनस, 24 जिलों में किसानों को दिन में बिजली, राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड ऋण योजना के तहत पशुपालकों को 1 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण तथा मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत 20 लाख से अधिक पशुओं का पंजीकरण किया गया है।

देश के कई स्थानों पर होंगे आयोजन: किरोड़ीलाल

कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल ने बताया कि ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट के तहत अहमदाबाद, हैदराबाद एवं पुणे सहित देश के कई स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। देश के कृषकों को नई तकनीकों की जानकारी देने के लिए आयोजित 'ग्राम' एकीकृत अंतर्राष्ट्रीय मंच है, जहां नीति निर्माता, वैज्ञानिक और कृषि विशेषज्ञ शामिल होंगे। साथ ही विशेष सत्रों, जाजम चौपाल, कृषि क्षेत्र में महिला उद्यमिता एवं स्टार्टअप को बढ़ावा देने जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के जरिए नवाचारों पर भी चर्चा की जाएगी।

राजस्थान साहस और नवाचार की भूमि: चौधरी

केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री का मानना है कि जब कृषि लाभदायक होगी, तभी देश का सही मायने में विकास होगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान साहस और नवाचार की भूमि है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राजस्थान सरकार कृषि लागत में कमी और उन्नत तकनीक के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक प्रदेश की भौगोलिक आवश्यकतानुसार कृषि के लिए आवश्यक एवं सुलभ तकनीक विकसित करें। कार्यक्रम में ग्राम- 2026 पर लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। इस दौरान जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)गौतम कुमार, राजस्थान किसान आयोग अध्यक्ष सी.आर. चौधरी सहित कृषि क्षेत्र से जुड़े उद्यमीगण, निवेशकगण, विशेषज्ञ एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

"खुश रहो और खुश रखो": आचार्य प्रसन्न सागरजी महाराज

परेशान होकर जीने से हमारी मुश्किलों का समाधान नहीं होता, बल्कि आज का सुकून भी छिन जाता है...

औरंगाबाद/परतापुर. शाबाश इंडिया

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय पियूष सागरजी महाराज ससंघ इन दिनों परतापुर, बांसवाड़ा में विराजमान हैं। उनके पावन सानिध्य में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला निरंतर संचालित हो रही है। इसी क्रम में आज उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने जीवन और रिश्तों को सुदृढ़ बनाने के सरल और प्रभावी सूत्र बताए। उन्होंने कहा कि रिश्तों को बचाने और मजबूत बनाने के लिए संवाद का तरीका अत्यंत महत्वपूर्ण होता है।

पहली बात: यदि आपको अपने किसी प्रियजन से कोई शिकायत है, तो उसे शांत और सहज ढंग से सामने रखें। बातचीत के दौरान उनकी अच्छी बातों की सराहना करें और बिना कटुता के अपनी बात रखें। इससे न केवल विवाद टलेगा, बल्कि समाधान भी सहजता से निकल आएगा।

दूसरी बात: अपनी चिंताओं को रिश्तों पर थोपना उचित नहीं है। इससे समस्या और बढ़ सकती है। आचार्य श्री ने कहा कि अक्सर पुरुष अपनी भावनाओं को सहजता से व्यक्त नहीं कर पाते, जबकि महिलाएं भावनाओं को अधिक गहराई से समझती हैं। यदि परिवार के सदस्य या करीबी आपकी चिंता सुनना चाहते हैं, तो उन्हें सरल और स्पष्ट शब्दों में अपनी बात बताएं। इससे मन का बोझ हल्का होगा और संबंधों में मधुरता बनी रहेगी।

तीसरी बात: रिश्तों में एक-दूसरे की बात सुनने, समझने और सहन करने की क्षमता होनी चाहिए। आक्रामक भाषा या ऊंची आवाज रिश्तों में दूरी पैदा करती है।

आचार्य श्री ने अंत में कहा कि जब भी अपनी बात रखें, भाषा सरल, शब्द मधुर और भाव सकारात्मक रखें। संवाद में थोड़ा हास्य भी शामिल करें, ताकि वातावरण सहज और आनंदमय बना रहे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और सभी ने आचार्य श्री के प्रेरणादायी विचारों को आत्मसात किया।

शाबाश इंडिया

प्रस्तुत करते हैं

स्थापना दिवस विशेषांक

ग्लेज्ड पेपर पर प्रकाशित... आकर्षक छपाई... पूर्णतया रंगीन

13 वर्षों का अटूट विश्वास... अब 14वें वर्ष की नई उड़ान!

'शाबाश इंडिया' के 14वें स्थापना दिवस पर हम लेकर आ रहे हैं एक बेमिसाल प्रस्तुति:

"स्थापना दिवस विशेषांक"

विमोचन: 2 मई, 2026 | वर्धमान सभागार, महावीर स्कूल सी-स्कीम में सायं 7 बजे भव्य समारोह

राजनीति, व्यापार, और अर्थ जगत का ऐसा गहरा विश्लेषण जो पहले कभी नहीं देखा। एक ऐसा अंक, जिसे आप पढ़ना ही नहीं, संभाल कर रखना भी चाहेंगे।

"हर खबर में दम, हर विश्लेषण में गहराई"

विज्ञापनदाताओं के लिए एक सुनहरा अवसर

उच्च स्तरीय ब्रांडिंग	टारगेटेड एडवरटाइजिंग	विश्वसनीयता	आकर्षक छपाई
राज्य के प्रमुख शहरों में प्रबुद्ध पाठक वर्ग होने से उच्च स्तरीय ब्रांडिंग का एक बेहतरीन विकल्प है।	अधिकतम पाठक मध्यम, उच्च मध्यम एवं उच्च आय वर्ग के हैं, जो विज्ञापन के लिहाज से टारगेटेड कस्टमर होते हैं।	शाबाश इंडिया की निष्पक्ष व तथ्यपरक खबरों से बनी छवि इसके विज्ञापनदाता की विश्वसनीयता को भी बढ़ाती है।	विज्ञापनों की स्पष्ट एवं आकर्षक छपाई के लिए दिल्ली की प्रतिष्ठित प्रेस से ग्लेज्ड पेपर पर पूर्णतया रंगीन प्रकाशित होगा।

स्थापना दिवस विशेषांक में विज्ञापन एवं आलेख प्रकाशित करवाने के लिए सम्पर्क करें:

राकेश गोदिका, प्रधान सम्पादक

मोबाइल: 9414078380, 9214078380 rakeshgodika@gmail.com, shabaasindia@gmail.com

ऐसा घर अपना होना चाहिए

ऐसा घर अपना होना चाहिए,
प्यार उसमें बसा होना चाहिए।
जरूरी नहीं वह हो बड़ा मकान,
चैन दिल का उसमें होना चाहिए।
ऐसा घर अपना होना चाहिए...

फूल उसमें अमन के महकें सदा,
दीप खुशियों के उसमें चमकें सदा।
जरूरी नहीं वह हो महल जैसा,
ईमान उसमें बसा होना चाहिए।
ऐसा घर अपना होना चाहिए...

सात सुरों का संगीत उसमें मिले,
अपनी संस्कृति का दर्पण उसमें मिले।
जरूरी नहीं वहाँ हों नौकर-चाकर,
सम्मान उसमें सबका होना चाहिए।
ऐसा घर अपना होना चाहिए...

हर सपना हो पूरा उसमें अपना,
बाँटे सुख-दुःख मिलकर उसमें अपना।
जरूरी नहीं आसमां पर वह हो,
स्वर्ग-मंदिर जैसा वह होना चाहिए।
ऐसा घर अपना होना चाहिए...

शिक्षक एवं साहित्यकार
गुरुदीन वर्मा ''जी. आजाद''
तहसील एवं जिला–बारां (राजस्थान)

जीव दया, सेवा और संयम के साथ मनाया कोमल मुनि का 27वां दीक्षा दिवस

1100 बैग वितरण, जीव दया में लाखों की राशि समर्पित, 27 नियमों के संकल्प में उमड़ा श्रद्धालु वर्ग

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

श्री अंबेश सौभाग्य नवयुवक मंडल (संयुक्त) द्वारा उपप्रवर्तक कोमल मुनि का 27वां दीक्षा दिवस श्रद्धा, सेवा और साधना के त्रिवेणी संगम के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर जीव दया के साथ-साथ जैन पाठशाला में अध्ययनरत बच्चों को 1100 स्कूल बैग वितरित किए गए, जिससे शिक्षा, करुणा और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रभावी संदेश दिया गया। वहीं, जीव दया के अंतर्गत श्रद्धालुओं द्वारा लाखों रुपये की राशि समर्पित की गई। कपासन स्थित अंबेश स्वाध्याय भवन में कोमल मुनि के सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम में मंडल के प्रमुख अनिल खटोड़, चेयरमैन प्रमोद सिंघवी एवं अध्यक्ष बबलू रांका के नेतृत्व में महामंत्री रौनक सियाल, मंत्री अनिल हिंगड़, मुकेश आंचलिया, महावीर मेहता सहित अनेक कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी रही। समारोह में मुख्य अतिथि पारसमल बाफना, सुरेन्द्र सांखला, सुरपुर संघ अध्यक्ष बसंतीलाल चौहान, अंबाशोध संस्थान के अध्यक्ष ललित लोढ़ा, मानव सेवा योजना के अध्यक्ष अनिल चंडालिया, घोड़ाघाटी विहार से नेमीचंद धाकड़ एवं पूर्व न्यायाधीश प्रकाश पंगारिया उपस्थित रहे।

अतिथियों का स्वागत

कपासन श्रीसंघ के अध्यक्ष अशोक बाफना, महामंत्री राजेश खाब्या, कोषाध्यक्ष प्रकाश आंचलिया एवं एस.पी. सिरोया द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्रीसंघ पदाधिकारियों ने कोमल मुनि को दीक्षा दिवस पर आदरपूर्वक चादर ओढ़ाकर मंगल बधाई अर्पित की। अपने उद्बोधन में कोमल मुनि ने कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि अंबेश सौभाग्य मदन गुरु के उपकारों का ऋण चुकाना संभव नहीं है। गुरु कृपा ही साधक को दिशा, स्थिरता और साधना की ऊंचाइयों तक पहुंचाती है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति त्याग, सेवा, ज्ञान और दान जैसे मूल्यों से समृद्ध है। संयम जीवन का आधार है और त्याग के माध्यम से ही कर्मों की निर्झरा होकर जीवन को सार्थक दिशा मिलती है। उन्होंने जैन पाठशालाओं की महत्ता पर बल देते हुए कहा कि नई पीढ़ी में संस्कार और अनुशासन का संचार करना वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इस अवसर पर हर्षित मुनि, साध्वी महिमाश्री एवं साध्वी हंसश्री ने भी कोमल मुनि को दीक्षा दिवस की शुभकामनाएं अर्पित कीं। श्रद्धालुओं ने ''मेरे सिर पर रख दो गुरुवर दोनों हाथ'' जैसे भक्ति गीतों के माध्यम से अपनी भावनाएं व्यक्त कर आशीर्वाद प्राप्त किया, जिससे वातावरण भक्तिमय हो उठा। मंडल चेयरमैन प्रमोद सिंघवी ने बताया कि हर्षित मुनि एवं साध्वी वृंद की प्रेरणा से आयोजित इस कार्यक्रम में 27 नियमों के प्रत्याख्यान का विशेष आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने संकल्प पत्र भरकर नियमों के पालन का दृढ़ निश्चय किया। दीक्षा दिवस के अवसर पर गौतम प्रसादी के लाभार्थी अशोक बाफना का भी सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन ओम समदर्शी ने किया।

प्रवक्ता : सुनील चपलोत

जयपुर पहुंचे राजस्थान रॉयल्स के खिलाड़ी

एयरपोर्ट पर फैंस ने किया स्वागत; सनराइजर्स हैदराबाद के ईशान-अभिषेक ने टीम के साथ की प्रैक्टिस

जयपुर. कासं। राजस्थान के क्रिकेट प्रेमियों का लंबा इंतजार आखिरकार खत्म हो रहा है। इंडियन प्रीमियर लीग में शानदार प्रदर्शन कर रही राजस्थान रॉयल्स अब अपने होम ग्राउंड जयपुर पहुंच चुकी है। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स का इस सीजन का पहला घरेलू मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 25 अप्रैल को खेला जाएगा। इस मैच को लेकर शहर में क्रिकेट फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। राजस्थान रॉयल्स की टीम लखनऊ से गुरुवार को जयपुर एयरपोर्ट पहुंची। यहां बड़ी संख्या में मौजूद फैंस ने खिलाड़ियों का स्वागत किया। एयरपोर्ट पर टीम की झलक पाने के लिए समर्थकों की भीड़ उमड़ पड़ी। फैंस ने टीम के कप्तान और स्टार खिलाड़ियों के लिए नारे लगाए और राजस्थान रॉयल्स की जर्सी पहनकर समर्थन दिखाया। इस आईपीएल सीजन में राजस्थान रॉयल्स अब तक 7 मुकाबले खेल चुकी है। इनमें से 5 मैचों में टीम ने शानदार जीत दर्ज की है। वहीं 2 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा।

राजनीति

ग्रामीण लोकतंत्र की सुदृढ़ नींव

सुनील कुमार महला

भारत को गांवों का देश कहा जाता है, और ग्रामीण स्तर पर लोकतंत्र को सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाया जाता है। यह तिथि विशेष महत्व रखती है, क्योंकि 24 अप्रैल 1993 को 73वां संविधान संशोधन अधिनियम लागू हुआ था, जिसके माध्यम से पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा प्राप्त हुआ। यद्यपि यह संशोधन 1992 में संसद द्वारा पारित किया गया था, परंतु इसका क्रियान्वयन 24 अप्रैल 1993 से शुरू हुआ, जिससे यह दिन भारतीय ग्रामीण लोकतंत्र के इतिहास में मील का पत्थर बन गया। 73वां संविधान संशोधन भारतीय संविधान में किया गया एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी कदम था। इसने ग्रामीण स्वशासन को नई दिशा प्रदान की और पंचायतों को संवैधानिक मान्यता देकर उन्हें मजबूत आधार दिया। इस संशोधन के अंतर्गत संविधान में भाग-IX जोड़ा गया, जिसमें पंचायतों से संबंधित प्रावधान शामिल किए गए। साथ ही 11वीं अनुसूची भी जोड़ी गई, जिसमें पंचायतों को सौंपे जाने वाले 29 विषयों का उल्लेख है। इस संशोधन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय स्वशासन को सुदृढ़ करना, लोकतंत्र को जमीनी स्तर तक पहुंचाना तथा जनता की सीधी भागीदारी सुनिश्चित करना था। इसके तहत त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था लागू की गई–ग्राम स्तर पर ग्राम पंचायत, मध्यवर्ती स्तर पर पंचायत समिति और जिला स्तर पर जिला परिषद। संविधान के अनुच्छेद 243-ब के अनुसार प्रत्येक राज्य में इन तीनों स्तरों पर पंचायतों के गठन का प्रावधान किया गया है। हालांकि, जिन राज्यों की जनसंख्या 20 लाख से कम है, वहां मध्यवर्ती स्तर पर पंचायत बनाना अनिवार्य नहीं है। पंचायतों के चुनाव लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से होते हैं। ग्राम, मध्यवर्ती और जिला स्तर के सदस्यों का चुनाव प्रत्यक्ष रूप से जनता द्वारा किया जाता है, जबकि मध्यवर्ती एवं जिला स्तर के अध्यक्षों का चयन अप्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित सदस्यों द्वारा होता है। चुनावों के संचालन हेतु प्रत्येक राज्य में राज्य निर्वाचन आयोग की स्थापना का प्रावधान किया गया है। अनुच्छेद 243-इ के अनुसार पंचायतों का कार्यकाल पांच वर्ष निर्धारित किया गया है, जिससे उन्हें स्थायित्व और निरंतरता प्राप्त होती है।

संपादकीय

बढ़ता जनसंख्या विस्फोट : विकास के लिए गंभीर चुनौती

भारत आज दुनिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन चुका है। वर्ष 2024 में भारत की जनसंख्या लगभग 145 करोड़ के पार पहुंच चुकी है। यह स्थिति केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि एक गंभीर चुनौती है, जो देश के विकास, संसाधनों, पर्यावरण और नागरिकों के जीवन स्तर को सीधे प्रभावित कर रही है। एक ओर भारत प्रगति की राह पर अग्रसर है, वहीं दूसरी ओर तेजी से बढ़ती आबादी उस प्रगति को धीमा कर रही है।

सड़कों पर भीड़, अस्पतालों में लंबी कतारें, स्कूलों में जगह की कमी और बढ़ती बेरोजगारी ये सभी इसके स्पष्ट संकेत हैं। बढ़ती जनसंख्या का सबसे बड़ा दुष्परिणाम गरीबी और भुखमरी के रूप में सामने आता है। जब किसी परिवार में कमाने वाले कम और आश्रित अधिक होते हैं, तो आर्थिक संतुलन बिगड़ जाता है। यही स्थिति देश स्तर पर भी लागू होती है। भारत में उत्पादन तो बढ़ रहा है, लेकिन जनसंख्या उससे कहीं अधिक तेजी से बढ़ रही है। परिणामस्वरूप प्रति व्यक्ति आय सीमित रह जाती है और करोड़ों लोग आज भी मूलभूत आवश्यकताओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बेरोजगारी भी जनसंख्या वृद्धि का एक गंभीर परिणाम है। हर वर्ष लाखों युवा शिक्षा प्राप्त कर रोजगार की तलाश में निकलते हैं, लेकिन रोजगार के अवसर उतनी तेजी से नहीं बढ़ते। एक-एक सरकारी पद के लिए लाखों आवेदन आते हैं, जिससे युवाओं में निराशा और असंतोष बढ़ता है। यह स्थिति सामाजिक अस्थिरता और अपराध को भी जन्म देती है। यदि जनसंख्या नियंत्रित होती, तो रोजगार उपलब्ध कराना अपेक्षाकृत आसान होता। शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं पर भी जनसंख्या वृद्धि का गहरा प्रभाव पड़ता है। सरकारी विद्यालयों में एक कक्षा में 60-70 विद्यार्थियों का बैठना आम बात है, जिससे प्रत्येक बच्चे पर उचित ध्यान देना कठिन हो जाता है। इसी प्रकार सरकारी अस्पतालों में मरीजों की अत्यधिक भीड़ के कारण डॉक्टरों के पास सीमित समय होता है। परिणामस्वरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं सभी तक नहीं पहुंच पातीं। पर्यावरण पर बढ़ती जनसंख्या का दुष्प्रभाव अत्यंत चिंताजनक है। अधिक जनसंख्या का अर्थ है अधिक संसाधनों की मांग जमीन, पानी, ऊर्जा और भोजन। जंगलों की कटाई, नदियों का प्रदूषण और भूजल स्तर में गिरावट इसके स्पष्ट उदाहरण हैं। जलवायु परिवर्तन की समस्या भी कहीं न कहीं अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि से जुड़ी हुई है। यदि यही स्थिति बनी रही, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ जल और शुद्ध वायु तक के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है। शहरी क्षेत्रों में भी जनसंख्या विस्फोट के दुष्परिणाम स्पष्ट दिखाई देते हैं। महानगरों में स्थान की कमी के कारण झुग्गी-झोपड़ियों का विस्तार हो रहा है। लोग अस्वच्छ और तंग परिस्थितियों में रहने को मजबूर हैं। ट्रैफिक जाम, पानी की कमी और बिजली की समस्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। अंततः, जब लोगों की मूलभूत आवश्यकताएं पूरी नहीं हो पातीं, तो अपराध दर में वृद्धि होती है। बेरोजगारी, गरीबी और निराशा लोगों को गलत रास्ते की ओर धकेलती हैं। -राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

एक अडिग हौसले की कहानी...

''ज़िंदगी में जीतना किसी के लिए भी आसान नहीं होता, जब तक इंसान संघर्षों से लड़ना और विपरीत परिस्थितियों में मुस्कुराना नहीं सीख लेता''

मैं दीया हूं तीन बहनों में मंझली। मेरी ज़िंदगी की शुरूआत ही कठिनाइयों से हुई। जब मैं मात्र दो वर्ष की थी, तभी मेरे पिताजी का निधन हो गया। कुछ समय बाद मां ने भी हमें दादा-दादी के साये में छोड़ दिया। अजमेर की गलियों में पली-बढ़ी मैं आज भी अपनी दादी और बुआओं की आभारी हूं, जिन्होंने कभी मां की कमी महसूस नहीं होने दी। बचपन से ही जिम्मेदारियां मेरी साथी बन गईं। घर के कामकाज, दादाजी की सेवा, दूर से पानी लाना इन सबके बीच मैंने सिलाई, बुनाई, पेंटिंग और ज्वेलरी डिजाइनिंग जैसे हुनर भी सीख लिए। पढ़ाई का शौक था, लेकिन परिस्थितियों के कारण मैं 12वीं कक्षा तक ही अपनी शिक्षा पूरी कर सकी। सत्रह वर्ष की उम्र में मेरी शादी हो गई। नए घर और नए माहौल के साथ मेरे जीवन की एक नई शुरूआत हुई। मेरे पति, नवीन जी, मेरे जीवन के सबसे बड़े सहारे बने। उन्होंने हर परिस्थिति में मेरा साथ दिया और मेरे सपनों को पंख दिए। ससुराल की आर्थिक स्थिति कमजोर थी, लेकिन मेरे हौसले मजबूत थे। मैंने घर के कामों के साथ-साथ बांधनी का काम शुरू किया, जहां तीन दिन की मेहनत के बदले मात्र 60 रुपये मिलते थे। मेहनत बहुत थी, लेकिन आमदनी कम। तब मैंने अपने पति से पार्लर और सिलाई का काम शुरू करने की इच्छा जताई। उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के मेरा साथ दिया। सिर्फ 180 रुपये के एक छोटे से बैनर के साथ मैंने अपने सपनों की शुरूआत की। धीरे-धीरे मेरा काम बढ़ने लगा। इसी दौरान मैं मां बनी। शारीरिक कमजोरी और जिम्मेदारियों के बावजूद मैंने अपने काम को कभी नहीं छोड़ा। समय के साथ मेरा पार्लर सफल होने लगा, लेकिन जीवन ने फिर एक कठिन परीक्षा ली। पारिवारिक कारणों से हमें अपना घर बेचना पड़ा। यह मेरे लिए बहुत बड़ा झटका था। चिंता और अनिश्चितता के बीच भी मेरे पति ने मेरा हौसला बनाए रखा। हमने फिर से शुरूआत की नई जगह, नई उम्मीदों के साथ। मेहनत रंग लाई और धीरे-धीरे सब कुछ फिर पटरी पर आने लगा। इसी बीच एक दिन खबर मिली कि हमारा पुराना घर फिर से बिकाऊ है। हमने हिम्मत जुटाई, कर्ज लिया और आखिरकार उस घर को दोबारा खरीद लिया। मरम्मत कर उसे नया रूप दिया ठीक वैसा, जैसा मैंने अपने सपनों में देखा था। आज वह घर सिर्फ एक मकान नहीं, बल्कि मेरे संघर्ष, मेरी मेहनत और मेरे आत्मविश्वास का प्रतीक है। मेरी ज़िंदगी ने मुझे यही सिखाया है अगर आपके इरादे मजबूत हों, मेहनत सच्ची हो और हिम्मत अडिग हो, तो कोई भी परिस्थिति आपको आपके लक्ष्य तक पहुंचने से नहीं रोक सकती।

(दीया के बारे में)

दीया एक स्व-निर्मित उद्यमी हैं, जिन्होंने सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपने हौसले और मेहनत से एक सफल पार्लर व्यवसाय स्थापित किया।

(लेखिका नेहा खत्री के बारे में)

नेहा खत्री जी ने काव्य संग्रह ''मैं धूप तुम छांव'' और एक साहित्य 'तुम मिल गए' लिखी है, नेहा लेखिका के साथ साथ एक संपादक भी हैं, इन्होंने 'चाय पत्ती', 'कुकर की सीटी', 'हर ज़िन्दगी कुछ कहती है' आदि किताबों का संपादन भी किया है, इसके साथ ही नेहा अध्यापिका भी है।

राष्ट्रसंत मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज ने कहा...

असाता के उदय में भी समता भाव से सहन करने पर साता का बंध होता है

अथाईखेड़ा ग्राम में बनेगा भव्य जिनालय: विजय धुर्रा

मुंगावली. शाबाश इंडिया

कष्ट और दुःख (असाता) को भी यदि समता भाव से सहन किया जाए, तो साता वेदनीय कर्म का बंध होता है। दुःख को यदि हम दुःख न मानें, तो सुख अवश्य आता है–यह प्रकृति का नियम है। यदि कष्ट आने पर हम अपना आपा खो देते हैं, तो दुःख बढ़ता है, जबकि समता भाव से सहन करने पर आगे चलकर सुख का ही उदय होता है। उक्त विचार राष्ट्रसंत मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज ने सुधा सागर सभागार में जिज्ञासा समाधान के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जीवन में सुख पाने के लिए दुःख को भी हँसते-हँसते सहन करना चाहिए, तभी सच्चा आनंद प्राप्त होता है। उन्होंने यह भी कहा कि नगर को शीघ्र ही नई पहचान मिलने जा रही है। णमोदय तीर्थ के विकास के साथ श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए आएंगे, जिससे मुंगावली का धार्मिक और सामाजिक महत्व बढ़ेगा।

मंदिर निर्माण में सहयोग का आग्रह

इससे पूर्व जैन समाज अशोक नगर के अध्यक्ष राकेश कांसल के साथ अथाईखेड़ा जैन समाज के प्रतिनिधियों ने मुनिश्री से अथाईखेड़ा ग्राम में भव्य जिनालय निर्माण का निवेदन किया। निर्मल जैन ने कहा कि समाज वर्षों से गुरुदेव के आगमन की प्रतीक्षा कर रहा है। जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने बताया कि अथाईखेड़ा के लोग विभिन्न तीर्थों–किशनगढ़, बिजोलिया, आवा, खनियाधाना और गोलाकोट–का भ्रमण कर चुके हैं और अब गुरुदेव के सानिध्य में अपने क्षेत्र में जिनालय निर्माण की आशा जागी है। इस अवसर पर समाज के पदाधिकारियों ने मंदिर निर्माण में सहयोग का आश्वासन दिया।

भूदान के साथ मंदिर निर्माण का संकल्प

मुनिश्री के सानिध्य में श्रावक श्रेष्ठी निर्मल कुमार अथाईखेड़ा एवं उनकी धर्मपत्नी ने दो बीघा भूमि दान कर मंदिर निर्माण तथा भगवान की विशाल प्रतिमा स्थापित करने का संकल्प लिया। पूर्व महामंत्री गिरीश अथाईखेड़ा ने कहा कि समाज के सभी लोग मिलकर भव्य जिनालय निर्माण के लिए कृतसंकल्प हैं। उन्होंने गुरुदेव से मंदिर निर्माण के संकल्प को पूर्ण कराने का आशीर्वाद मांगा।

धर्मशाला व संत निवास से बढ़ेगी भव्यता

मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज ने कहा कि जब भी कोई नई योजना बनाई जाए, तो भविष्य को ध्यान में रखकर कार्य करना चाहिए। मंदिर के साथ धर्मशाला और संत निवास का निर्माण भी आवश्यक है, जिससे सभी व्यवस्थाएं सुचारु रूप से विकसित हो सकें। उन्होंने आगे कहा कि आत्ममंथन करते रहना आवश्यक है, तभी पुरुषार्थ सफल होता है। मन, वचन और काया की चेष्टाओं से कर्मों का आस्रव होता है और इन्हें रोकने का नाम संवर है। जब तक कषायों को नियंत्रित नहीं किया जाएगा, तब तक कर्मबंध होता रहेगा। अतः बाहरी और आंतरिक दोनों प्रकार के विकारों को नियंत्रित करना आवश्यक है। इस अवसर पर अजित वरोदिया, प्रदीप तारई, शैलेन्द्र श्रागर, पत्रकार अरविंद कचनार, सांसद प्रतिनिधि संजीव भारिल्य, विपिन सिंघई, शैलेन्द्र ददा, हेमंत टडैया, मनीष सिंघई, रिंकलेश कांसल, मुनेश विजयपुरा, मुन्ना वाघल, टिंकल जैन, पवन जैन सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मानवता परिवार द्वारा रेलवे स्टेशन पर चलित प्याऊ सेवा का शुभारंभ

सोनल जैन. शाबाश इंडिया

भिंड। मानवता परिवार द्वारा पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी रेलवे स्टेशन परिसर में आरओ (शुद्ध पेयजल) की चलित प्याऊ सेवा का शुभारंभ किया गया। भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए शुरू की गई यह सेवा राहगीरों, यात्रियों एवं जरूरतमंदों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हो रही है। यह पुनीत सेवा रक्षाबंधन तक निरंतर संचालित की जाएगी, जिससे अधिक से अधिक लोगों को स्वच्छ एवं शीतल पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। इस अवसर पर मानवता परिवार के सक्रिय सदस्य बबलू सिंधी ने कहा, ''हम सभी समाजसेवी युवाओं, वरिष्ठजनों एवं विभिन्न संगठनों से इस सेवा कार्य में सहभागिता की अपेक्षा करते हैं। जो भी इस पुण्य कार्य में योगदान देना चाहता है, उससे विशेष रूप से श्रमदान की अपील है, ताकि यह सेवा निरंतर सुचारु रूप से चलती रहे और अधिक से अधिक जरूरतमंदों तक राहत पहुंचाई जा सके।''

नचिकेतन पब्लिक स्कूल में तीरंदाज सहजप्रीत का भव्य सम्मान

रमेश भार्गव

ऐलनाबाद. शाबाश इंडिया। नचिकेतन पब्लिक स्कूल की प्रतिभाशाली तीरंदाज सहजप्रीत को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विद्यालय में भव्य रूप से सम्मानित किया गया।

विद्यालय प्रबंधन ने उन्हें माल्यार्पण एवं ट्रॉफी भेंट कर सम्मानित किया और उनकी उपलब्धियों की सराहना की। सहजप्रीत ने हाल ही में गुंटूर (आंध्र प्रदेश) में आयोजित 15वीं एनटीपीसी तीरंदाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया।

उन्होंने अंडर-13 वर्ग में स्कोरिंग राउंड में स्वर्ण पदक तथा फाइट राउंड में कांस्य पदक हासिल किया। इसके अतिरिक्त अंडर-15 वर्ग के टीम इवेंट में भी स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट परिचय दिया। विद्यालय परिवार के लिए यह उपलब्धि अत्यंत गर्व का विषय है। सहजप्रीत ने अपनी कड़ी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास के बल पर यह मुकाम हासिल किया है, जो अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है। इस अवसर पर विद्यालय निदेशक रणजीत सिंह सिद्धु ने कहा कि सहजप्रीत की सफलता विद्यालय के लिए गौरव का विषय है। यह उपलब्धि दर्शाती है कि समर्पण और मेहनत से विद्यार्थी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। समारोह में विद्यालय के चेयरमैन राजेंद्र सिंह सिद्धु, एडमिनिस्ट्रेटर अशोक कुमार मोहराना, प्राचार्य एस. एन. पारीक, प्रबंधन समिति के सदस्य, अध्यापकगण एवं विद्यार्थियों ने उपस्थित होकर सहजप्रीत को बधाई दी और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय प्रबंधन ने विश्वास व्यक्त किया कि सहजप्रीत भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय और देश का नाम रोशन करती रहेगी।

ओसवाल सभा उदयपुर की कार्यकारिणी बैठक संपन्न: 50 करोड़ की लागत से बनेगा नवीन भवन

उदयपुर. शाबाश इंडिया

ओसवाल सभा उदयपुर की कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक सभा अध्यक्ष प्रकाश चंद्र कोठारी के नेतृत्व में मुखर्जी चौक स्थित ओसवाल भवन में आयोजित की गई। बैठक का शुभारंभ सभा सचिव डॉ. प्रमिला जैन ने नवकार मंत्र के साथ किया। इसके पश्चात उन्होंने पिछली बैठक की कार्यवाही का विवरण प्रस्तुत किया, जिसे सदन ने सर्वसम्मति से पारित किया। बैठक का मुख्य केंद्र बिंदु ओसवाल सभा के नवीन भवन निर्माण की योजना रही, जिसकी अनुमानित लागत लगभग 50 करोड़ रुपये है। अध्यक्ष प्रकाश चंद्र कोठारी के निर्देशन में निर्णय लिया गया कि इस पुनीत कार्य के लिए समाज के अधिक से अधिक परिवारों से ''डोर-टू-डोर'' संपर्क किया जाएगा। इसके लिए उपस्थित सदस्यों को क्षेत्रवार सूचियां तैयार करने के निर्देश दिए गए, ताकि समाज का प्रत्येक सदस्य इस विकास कार्य में सहभागी बन सके। सचिव डॉ. प्रमिला जैन ने बताया कि सभा द्वारा आगामी महीनों के लिए विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा भी तय की गई है। अप्रैल माह में कार्य परिषद सदस्यों के लिए नाकोड़ा पार्श्वनाथ (पड़ासली) की धार्मिक यात्रा आयोजित की जाएगी। मई एवं जून माह में विद्यार्थियों के लिए करियर काउंसलिंग एवं मार्गदर्शन सेमिनार, बच्चों के लिए समर कैंप तथा महिलाओं के लिए स्वास्थ्य वार्ता (हेल्थ टॉक) का आयोजन प्रस्तावित है। ओसवाल सभा युवक प्रकोष्ठ के तत्वावधान में 20 से 24 मई के मध्य शिकारबाड़ी, गोवर्धन विलास ग्राउंड में सकल जैन समाज के लिए भव्य क्रिकेट कार्निवल आयोजित किया जाएगा। बैठक में 'ओसवाल संदेश' त्रैमासिक पत्रिका के वितरण में आ रही समस्याओं पर चर्चा की गई तथा इसके समाधान हेतु सदस्यों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। साथ ही पत्रिका में सशुल्क बधाई संदेश एवं विज्ञापनों के लिए शुल्क निर्धारण संबंधी महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए गए। सभा की सदस्यता के लिए प्राप्त 35 नए परिवारों के आवेदन पत्रों की जांच कर उन्हें स्वीकृति प्रदान की गई तथा सभी नए सदस्यों की पुष्टि की गई। मतदाता सूची के सदस्यों को सुव्यवस्थित रूप से व्हाट्सएप समूह से जोड़ने एवं सूचनाओं के प्रभावी प्रसार के लिए एक समिति गठित कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

दिगंबर जैन मंदिर में झंडारोहण के साथ इन्द्रध्वज महामंडल विधान का शुभारंभ: विजय जैन

अयोध्या (उ.प्र.). शाबाश इंडिया

श्री भगवान ऋषभदेव बड़ी मूर्ति दिगंबर जैन मंदिर, रायगंज में भारत गौरव गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी के ससंघ सानिध्य में श्री इन्द्रध्वज महामंडल विधान का शुभारंभ झंडारोहण के साथ संपन्न हुआ। महाराष्ट्र से पधारे श्रद्धालुओं द्वारा आयोजित इस पाँच दिवसीय महाअनुष्ठान का शुभारंभ प्रातःकाल भगवान ऋषभदेव की विशाल प्रतिमा के अभिषेक एवं शांतिधारा के साथ किया गया। इसके उपरांत 12.12 फुट का मंडल बनाकर पंचमेरु एवं 458 जिनालयों की प्रतिकृति स्थापित कर विधिपूर्वक झंडारोहण किया गया। इस महाअनुष्ठान में मुख्य रूप से सौधर्म इन्द्र के रूप में श्री संजय जैन पापड़ीवाल एवं विजय जैन पापड़ीवाल (संभाजीनगर, औरंगाबाद) लगभग 50 श्रद्धालुओं के साथ सहभागिता कर रहे हैं। झंडारोहण पापड़ीवाल परिवार की श्रीमती कुमकुम बाई पन्नालाल पापड़ीवाल के करकमलों से संपन्न हुआ। इस अवसर पर गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी ने कहा कि यह विधान त्रिलोक के जिनालयों की आध्यात्मिक यात्रा का प्रतीक है, जिसमें 458 जिनालयों की प्रतिकृति स्थापित कर प्रतिदिन महापूजा की जाती है। ध्वजारोहण और आराधना के माध्यम से श्रद्धालु अनंत पुण्य का संचय करते हैं। सम्पूर्ण कार्यक्रम प्रतिष्ठाचार्य श्री विजय कुमार जैन के कुशल निर्देशन में, जैन मंदिर के पीठाधीश स्वस्तिश्री रवीन्द्रकीर्ति स्वामीजी के नेतृत्व तथा प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका चंदनामती माताजी के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है। प्रारंभिक दिवस पर मंडप प्रतिष्ठा, इन्द्र प्रतिष्ठा, अंकुरारोपण, जाप्य अनुष्ठान एवं सकलीकरण की विधियां संपन्न की गईं। सायंकालीन सत्र में भगवान एवं पूज्य माताजी की मंगल आरती का आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने धर्मलाभ अर्जित किया। इस अवसर पर महिला मंडल, संभाजीनगर (महाराष्ट्र) द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं।

अभिषेक : अशोक पाटील, कोल्हापुर

उदयपुर में आयोजित होगा 'राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार 2026'

राज्यमंत्री रामगोपाल सुथार होंगे विशिष्ट अतिथि

जयपुर/उदयपुर. शाबाश इंडिया। श्री विश्वकर्मा कौशल बोर्ड (राजस्थान सरकार) के अध्यक्ष और राज्यमंत्री रामगोपाल सुथार ने 'राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार 2026' के आधिकारिक पोस्टर का अनावरण किया। आगामी 17 मई को उदयपुर के प्रताप गौरव केंद्र में आयोजित होने वाले इस भव्य समारोह में रामगोपाल सुथार 'विशिष्ट अतिथि' के रूप में शिरकत करेंगे। कार्यक्रम का आयोजन सुविख्यात उद्योगपति व भामाशाह कानाराम कुलरिया, धर्मचंद कुलरिया एवं शंकर कुलरिया के मुख्य आतिथ्य में संपन्न होगा। संस्था के चेयरमैन गोविंद जांगिड़ ने राज्यमंत्री को कार्यक्रम के उद्देश्यों की विस्तृत जानकारी दी। इस वर्ष समारोह में 12 से अधिक राज्यों के प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। आयोजन का मुख्य आकर्षण संस्था द्वारा गोद लिए गए 11 निराश्रित बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए उठाए जाने वाले विशेष कदम होंगे। इसके साथ ही, देश के विभिन्न राज्यों से चयनित 31 ऐसी महान विभूतियों को 'राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार' से सम्मानित किया जाएगा जिन्होंने समाज सेवा में उत्कृष्ट योगदान दिया है। पोस्टर विमोचन और मुलाकात के दौरान गणेश सुथार, निक्की पीपलीवाल, महेंद्र जांगिड़ और सरला सुथार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। यह आयोजन सेवा और कौशल के संगम के रूप में अपनी पहचान बनाएगा।

क्षमा मूर्ति आचार्य विशद सागर महाराज का रविवार को पदमपुरा में भव्य मंगल प्रवेश

जयपुर. शाबाश इंडिया। गणाचार्य श्री विराग सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य क्षमा मूर्ति आचार्य विशद सागर महाराज ससंघ (7 पिच्छी) का रविवार, 26 अप्रैल को श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में भव्य मंगल प्रवेश होगा। इस मौके पर बडी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। क्षेत्र कमेटी अध्यक्ष सुधीर जैन दौसा एवं मानद् मंत्री हेमन्त सोगानी ने बताया कि आचार्य संघ (7 पिच्छीका) का पन्ना (मध्य प्रदेश) से श्री महावीर जी - गंगापुर सिटी - लालसोट - कोटखावदा-छोटा गिरनार - पदमपुरा होते हुए जयपुर की ओर मंगल विहार चल रहा है। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि आचार्य संघ का 11 साल बाद पदमपुरा में मंगल आगमन हो रहा है। इसी कडी में गुरुवार को आचार्य संघ का लालसोट में बैण्ड बाजों के साथ विशाल जुलूस के रुप में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। आचार्य श्री ससंघ का लालसोट से मंगल विहार होकर 24 अप्रैल को अतिशय क्षेत्र कोटखावदा में रात्रि विश्राम होगा। श्री जैन के मुताबिक शनिवार, 25 अप्रैल को प्रातः बापूगांव स्थित श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र छोटा गिरनार में भव्य मंगल प्रवेश होगा। रविवार, 26 अप्रैल को दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा बाडा में मंगल प्रवेश होगा।

महावीर इंटरनेशनल के पदाधिकारियों ने सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर से की मुलाकात

अजमेर (रोहित जैन)

महावीर इंटरनेशनल रीजन-3 के उपनिदेशक (प्रचार-प्रसार) एवं अजयमेरु के संरक्षक कमल गंगवाल ने बर स्थित होटल गढ़ गिरवर में सिक्किम के राज्यपाल श्री ओम माथुर से शिष्टाचार भेंट कर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। महावीर इंटरनेशनल अजयमेरु के चेयरमैन गजेंद्र पंचोली ने बताया कि इस अवसर पर कमल गंगवाल ने राज्यपाल को संस्था द्वारा संचालित विभिन्न सेवा कार्यों की जानकारी दी। इस दौरान राज्यपाल ओम माथुर ने महावीर इंटरनेशनल के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए संस्था के प्रयासों की प्रशंसा की।

भव्य घटयात्रा के साथ श्री आदिनाथ पंचकल्याणक महोत्सव का आगाज

आगरा. शाबाश इंडिया

ताजनगरी आगरा में 23 अप्रैल से श्री आदिनाथ जिनबिंब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। एम.डी. जैन इंटर कॉलेज स्थित 'अयोध्या नगरी' में आयोजित इस समारोह की शुरूआत बेलनगंज से निकली विशाल रथयात्रा और घटयात्रा के साथ हुई। पूज्य उपाध्याय श्री विहसन्तसागर मुनिराज एवं मुनि श्री विश्वसाम्यसागर जी महाराज के सानिध्य में निकली इस शोभायात्रा में 500 मांगलिक महिलाएं सिर पर कलश धारण कर शामिल हुईं। आगरा के प्राचीन 'घोड़े वाले रथ' पर श्रीजी को विराजमान कर पंडाल तक लाया गया, जहाँ रोहित जैन अहिंसा परिवार द्वारा ध्वजारोहण किया गया। प्रतिष्ठाचार्य जय कुमार निशांत भैया के निर्देशन में पांडाल और मुख्य मंच का उद्घाटन संपन्न हुआ। मुनिराज ने अपने प्रवचन में पंचकल्याणक को आत्म-उत्थान का महापर्व बताया। पहले दिन माता की गोद भराई और गर्भ कल्याणक की पूजन विधियाँ संपन्न हुईं। पहली बार 8020 फीट की विशाल LED वॉल पर इन्द्र दरबार के जीवंत दृश्य दिखाए गए। मीडिया प्रभारी शुभम जैन ने बताया कि 24 अप्रैल को प्रातः 6 बजे तीर्थंकर बालक का 'जन्म कल्याणक' महोत्सव मनाया जाएगा। इस अवसर पर निर्मल मोठया सहित सकल जैन समाज उपस्थित रहा।

नसीराबाद में प्रथम कबड्डी प्रतियोगिता का सफल आयोजन

नसीराबाद (रोहित जैन)

नसीराबाद में गुरुवार को क्रीड़ा भारती खंड नसीराबाद (चित्तौड़ प्रांत) के तत्वावधान में प्रथम कबड्डी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि गोविंद नारायण जिंदल, अध्यक्ष महेंद्र सिंह तथा विशिष्ट अतिथि विजयमान एवं विजयराज की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात सभी अतिथियों का स्वागत-सत्कार किया गया। प्रतियोगिता में छात्र वर्ग की 9 टीमों एवं छात्रा वर्ग की 4 टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्र वर्ग में देव पब्लिक स्कूल, जाटिया, दिलवाड़ा बॉयज, रॉयल राजोसी, बालाजी मावशिया, कबड्डी टाइटन, फतेहगढ़ तिलाना, शिक्षा दा कन्वेंट तथा सराना की टीमें शामिल रहीं। वहीं छात्रा वर्ग में देवीमाता बाछुरसी, दिलवाड़ा गर्ल्स, डी.पी.एस. राजोसी एवं दिलवाड़ा की टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के परिणामों में छात्र वर्ग में तिलाना क्लब प्रथम, रॉयल राजोसी द्वितीय तथा दिलवाड़ा बॉयज तृतीय स्थान पर रहे। छात्रा वर्ग में देवीमाता बाछुरसी ने प्रथम, दिलवाड़ा ने द्वितीय तथा राजोसी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का सफल संचालन शललित राठी, रोहित खंडेलवाल, नवल किशोर, विष्णु गुर्जर, अर्पित सिंह कछवाहा, दिलीप रैदास, दीपक रैदास, जयंत रावत एवं राकेश प्रजापत के अथक प्रयासों से संभव हुआ। समापन समारोह रणवीर चौधरी (एडिक्शन जिम संचालक) एवं अंतरराष्ट्रीय निर्णायक महेंद्र जी के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। विजेता खिलाड़ियों को पारितोषिक एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। आयोजन के दौरान खिलाड़ियों एवं व्यवस्थापकों के लिए नाश्ता, भोजन एवं हाई टी की भी समुचित व्यवस्था की गई। मंच संचालन विजय तेला ने किया।

ठोलियान मंदिर, सांगानेर में आचार्य सुन्दर सागर महाराज के सानिध्य में 800 वर्ष प्राचीन जिनबिम्बों का अनावरण

महामस्तकाभिषेक महोत्सव में उमड़े श्रद्धालु, 27 अप्रैल तक होंगे अभिषेक

जयपुर. शाबाश इंडिया

सांगानेर स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, ठोलियान में आचार्य सुन्दर सागरजी महाराज, आचार्य शशांक सागरजी महाराज एवं गणिनी आर्यिका नन्दीश्वर मति माताजी ससंघ के सानिध्य में मंदिर के भूगर्भ स्थित चैत्यालय में विराजमान लगभग 800 वर्ष प्राचीन अतिशययुक्त जिनबिम्बों को गुरुवार, 23 अप्रैल को श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ बाहर विराजमान किया गया। इस अवसर पर जयकारों के बीच महामस्तकाभिषेक महोत्सव का शुभारंभ हुआ। मंदिर अध्यक्ष अशोक चांदवाड़ एवं महामंत्री राजीव ठोलिया ने बताया कि प्रातः 7 बजे नित्य अभिषेक एवं शांतिधारा के पश्चात अष्टद्रव्य पूजा संपन्न की गई। प्रातः 8 बजे देव आज्ञा के उपरांत भूगर्भ स्थित जिनबिम्बों को विधिपूर्वक बाहर लाकर मंदिर में विराजमान किया गया। प्रतिष्ठाचार्य पं. सनत कुमार जैन के निर्देशन में मंत्रोच्चार के साथ जिनबिम्बों का अभिषेक एवं पंचामृत अभिषेक किया गया तथा विश्व में सुख, शांति और समृद्धि की कामना के साथ चार शांतिधाराएं संपन्न हुईं। मुख्य संयोजक प्रदीप ठोलिया ने बताया कि प्रथम कलश जम्बू कुमार, दर्शन एवं नवीन बाकलीवाल (बस्सी) परिवार द्वारा, द्वितीय कलश अशोक एवं अंकित चांदवाड़ द्वारा तथा पंचामृत अभिषेक राजीव जैन (गायत्रीनगर) द्वारा किया गया। शांतिधाराओं में प्रथम विरेन्द्र जैन परिवार, द्वितीय वीरचंद, गजेन्द्र, प्रवीण एवं विकास बड़जात्या, तृतीय बस्सी परिवार तथा चतुर्थ प्रदीप ठोलिया (बंन्जी परिवार) द्वारा संपन्न की गई।

धर्मसभा में आचार्य सुन्दर सागरजी महाराज ने बताया कि प्रतिमाओं को बाहर लाने से पूर्व देव एवं गुरुजनों से विधिवत आज्ञा ली गई। आचार्य संघ, मंदिर समिति एवं प्रतिष्ठाचार्य द्वारा चैत्यालय में प्रवेश कर जिनरक्षक देवों का आह्वान किया गया। संकल्प लिया गया कि 27 अप्रैल सायं 5 बजे तक सभी प्रतिमाओं को पुनः यथास्थान विराजमान किया जाएगा। भट्टारक सुरेन्द्रकीर्ति जी के निर्देशन में लगभग 500 वर्ष पूर्व मंदिर के नीचे भी ऊपरी संरचना के समान दो मंदिर निर्मित किए गए थे। आयोजन से जुड़े प्रकाश ठोलिया एवं विशाल ठोलिया ने बताया कि सायंकाल महाआरती, आगम आधारित शंका समाधान एवं भक्ति संध्या में भजनों की प्रस्तुति दी गई। मीडिया प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा के अनुसार यह महामस्तकाभिषेक महोत्सव 27 अप्रैल तक जारी रहेगा।

40 स्वयंसेवकों ने संभाली व्यवस्थाएं

वीर सेवक मंडल, जयपुर के लगभग 40 स्वयंसेवकों ने दलपति ओमप्रकाश बड़जात्या के नेतृत्व एवं ज्ञानचंद जैन के संयोजन में मंदिर परिसर तथा बाहर व्यवस्थाओं का सफल संचालन किया। **मीडिया प्रभारी : विनोद जैन कोटखावदा**

भीषण गर्मी में बेजुबानों को राहत देने के लिए लगाए परिंडे

प्रतापनगर. शाबाश इंडिया

भीषण गर्मी को देखते हुए प्रतापनगर सेक्टर-26 में श्री श्याम सेवक मंडल के श्याम प्रेमियों द्वारा सड़क किनारे लगे पेड़ों पर बेजुबान पक्षियों के लिए परिंडे लगाए गए। समाजसेवी भगवान दास धाकड़ एवं अमन जैन (कोटखावदा) ने बताया कि श्याम प्रेमियों ने परिंडों के रख-रखाव, साफ-सफाई एवं नियमित रूप से पानी भरने का संकल्प लिया है, ताकि पक्षियों को लगातार भीषण गर्मी से राहत मिल सके। इसके साथ ही राहगीरों के लिए भी शीतल जल की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर समाजसेवी भगवान दास धाकड़, अमन जैन कोटखावदा, नीतेश अग्रवाल, अभिषेक जैन, दिलखुश जैन, विशाल गुप्ता सहित बड़ी संख्या में श्याम प्रेमी उपस्थित रहे।

प्रथम पुण्यतिथि

आपकी यादें हर पल हमारे संग मुस्कुराती हैं,
आपकी बातें पग पग जीवन में राह दिखाती हैं।

हमारे पूजनीय श्री नवीन सेन जैन जी की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर भक्तामर दीप अनुष्ठान का आयोजन किया गया है।

दिनांक: 25 अप्रैल 2026, शनिवार | **समय:** सायं 7:30 बजे से
स्थान: बैंक्वेट हॉल, SDC Euro Exotica, श्री कुशल नगर, न्यू सांगानेर रोड फ्लाईओवर, Sanganer, जयपुर

कृपया पधारकर अपनी गरिमामयी उपस्थिति से हमें अनुगृहीत करें।
कृपया इसे ही व्यक्तिगत निमंत्रण मानकर अवश्य पधारें।

शशी सेन जैन - सोनाली अक्षय ठोलिया - श्वेता राकेश छाबड़ा - चारू अमन बंसल एवं समस्त परिवार
Mob. 9694087888

भक्ति और आस्था के संगम में डूबा ज्योति नगर, श्री यागमंडल विधान व भजन संध्या ने बांधा समां

आगरा. शाबाश इंडिया

खेरिया मोड़ स्थित श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर, ज्योति नगर में 22 से 24 अप्रैल तक आयोजित भव्य वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव के दूसरे दिन धार्मिक आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। निर्यापक मुनिश्री विलोक सागरजी महाराज एवं मुनि श्री विबोधसागरजी महाराज के मंगल सानिध्य में अभिषेक, शांतिधारा एवं यागमंडल विधान जैसे पावन अनुष्ठान श्रद्धा एवं विधि-विधान के साथ संपन्न हुए। प्रातःकाल मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। अभिषेक और शांतिधारा के दौरान भक्तों ने भक्ति भाव से सहभागिता कर पुण्य लाभ अर्जित किया। इसके उपरांत यागमंडल विधान की मंगलमयी क्रियाएं संपन्न हुईं, जिनमें मंत्रोच्चार और भक्ति की मधुर ध्वनि से पूरा वातावरण गुंजायमान रहा। प्रतिष्ठाचार्य पं. सनत कुमार जैन एवं विनोद कुमार जैन शास्त्री के कुशल निर्देशन में सभी अनुष्ठान विधिपूर्वक सम्पन्न कराए गए। कार्यक्रम के दौरान मुनिश्री ने अपने प्रवचनों में धर्म, संयम और आत्मकल्याण का संदेश देते हुए श्रद्धालुओं को जीवन में सदाचार अपनाने की प्रेरणा दी। सायंकाल आयोजित भजन संध्या ने माहौल को और अधिक भक्तिमय बना दिया, जहां श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर नजर आए। इस अवसर पर प्रहलाद कुमार जैन (मंत्री), जितेंद्र कुमार जैन (अर्थमंत्री), हरिओम जैन, विमल जैन, निखिलेश जैन, दिनेश जैन, पवन जैन, अशोक जैन, सुरेंद्र कुमार जैन, रवि जैन, वी.के. जैन, अनिल जैन, अजीत जैन, राहुल जैन, सुंदर जैन, प्रवीण जैन, राजेंद्र जैन, उपेंद्र जैन, राजेंद्र जैन (एडवोकेट), कमल जैन, दीपक जैन (मसाला), विजय बैनाड़ा, एम.के. जैन, राजीव जैन, मगन कुमार जैन, विजय जैन सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। **रिपोर्ट : शुभम जैन**

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

पंचायती राज दिवस

पंचायती राज दिवस हर वर्ष 24 अप्रैल को पूरे देश में मनाया जाता है। यह दिन भारत के लोकतांत्रिक ढांचे की उस मजबूत नींव को सम्मान देने का अवसर है, जो गांव-गांव में फैली हुई है। जब हम लोकतंत्र की बात करते हैं, तो अक्सर संसद और विधानसभाओं का चित्र सामने आता है, लेकिन वास्तविक लोकतंत्र गांव की चौपाल, पंचायत भवन और आम नागरिक की सक्रिय भागीदारी में ही जीवंत होता है। पंचायती राज व्यवस्था इसी जीवंत लोकतंत्र का स्वरूप है, जो शासन को देश के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाती है। भारत की आत्मा गांवों में बसती है—यह केवल कहावत नहीं, बल्कि एक सच्चाई है। देश की बड़ी आबादी आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है। उनकी आवश्यकताओं, समस्याओं और संभावनाओं को समझने के लिए स्थानीय स्तर पर निर्णय लेना सबसे प्रभावी उपाय है। पंचायती राज व्यवस्था इसी सोच का परिणाम है, जिसमें गांव के लोग स्वयं अपने विकास की दिशा तय करते हैं। यह व्यवस्था न केवल प्रशासनिक सुविधा प्रदान करती है, बल्कि नागरिकों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक और कर्तव्यों के प्रति जिम्मेदार भी

बनाती है। पंचायती राज की स्थापना केवल एक प्रशासनिक कदम नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल थी। इसने समाज के हर वर्ग—महिलाओं, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग—को नेतृत्व करने का अवसर दिया। आज ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं सरपंच बनकर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे समाज का नेतृत्व कर रही हैं। यह परिवर्तन इस बात का प्रमाण है कि अवसर मिलने पर हर वर्ग अपनी क्षमता का परिचय दे सकता है। वर्तमान समय में पंचायती राज संस्थाओं की जिम्मेदारियां और अधिक बढ़ गई हैं। गांवों में शिक्षा का स्तर बढ़ाना, स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करना, स्वच्छता बनाए रखना, जल संरक्षण करना और रोजगार के अवसर सृजित करना—ये सभी कार्य पंचायतों के माध्यम से अधिक प्रभावी ढंग से किए जा सकते हैं। यदि पंचायतें पारदर्शिता और ईमानदारी से कार्य करें, तो गांवों का समग्र विकास संभव है। वहीं, यदि स्वार्थ और लापरवाही हावी हो जाए, तो यह व्यवस्था कमजोर भी पड़ सकती है। इसलिए आवश्यक है कि जनप्रतिनिधि सेवा की भावना से कार्य करें। पंचायती राज व्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण आधार जनभागीदारी है। जब तक गांव का आम नागरिक अपने अधिकारों और जिम्मेदारियों को नहीं समझेगा, तब तक यह व्यवस्था पूरी तरह सफल नहीं हो सकती। प्रत्येक व्यक्ति को यह समझना होगा कि विकास केवल सरकार का दायित्व नहीं, बल्कि सामूहिक प्रयास का परिणाम है। यदि हर नागरिक ईमानदारी से योगदान दे, तो विकास की गति स्वतः तेज हो सकती है। आज के डिजिटल युग में तकनीक भी पंचायती राज को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। डिजिटल माध्यमों के जरिए योजनाओं की जानकारी, कार्यों की निगरानी और पारदर्शिता को बढ़ाया जा सकता है। इससे भ्रष्टाचार पर नियंत्रण होगा और जनता का विश्वास भी मजबूत होगा। पंचायती राज दिवस हमें आत्ममंथन का अवसर देता है कि हम अपने गांव और समाज के लिए क्या कर रहे हैं। क्या हम केवल समस्याएं गिनाते हैं या समाधान का हिस्सा भी बनते हैं? क्या हम अपने प्रतिनिधियों को जवाबदेह बनाते हैं? यदि हर नागरिक जागरूक हो जाए, तो पंचायतें स्वतः सशक्त बन जाएंगी और देश की नींव और अधिक मजबूत होगी। अंततः, पंचायती राज केवल एक प्रशासनिक व्यवस्था नहीं, बल्कि स्वशासन, आत्मनिर्भरता और सामूहिक विकास की भावना है। यह हमें सिखाता है कि छोटे-छोटे प्रयास मिलकर बड़े परिवर्तन ला सकते हैं। जब गांव सशक्त होंगे, तभी देश सशक्त होगा। अतः इस पंचायती राज दिवस पर हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम अपने गांव, समाज और देश के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाएंगे और इस लोकतांत्रिक व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाएंगे।

नितिन जैन
संयोजक – जैन तीर्थ श्री पार्श्व पद्मावती धाम, पलवल (हरियाणा)
जिलाध्यक्ष – अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन, पलवल
मोबाइल: 9215635871

कमल लोचन को मिला उत्कृष्ट प्राणी सेवा सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान जन मंच ट्रस्ट पक्षी चिकित्सालय के संस्थापक कमल लोचन को उत्कृष्ट प्राणी सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें एम.आई. रोड स्थित होटल ओम टावर में आयोजित लायंस क्लब रीजन-13 विशाखा, डिस्ट्रिक्ट 3233-1 की रीजन कॉन्फ्रेंस ''अन्वय-2026'' के दौरान प्रदान किया गया। कार्यक्रम में वर्षभर उल्लेखनीय कार्य करने वाले क्लबों को सम्मानित किया गया। इसी क्रम में पर्यावरण संरक्षण एवं पक्षी चिकित्सालय के सफल संचालन के लिए कमल लोचन को प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह, माला एवं मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया। रीजन चेयरपर्सन डॉ. रेखा जैन एवं अशोक जैन के तत्वावधान में आयोजित इस समारोह में मुख्य अतिथि प्रांतपाल सुधीर बाजपेयी, उप-प्रांतपाल डॉ. आशुतोष वशिष्ठ, राजेंद्र सिंह मदान, सुमेर जैन तथा पुष्पा जैन और नमिता छाबड़ा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कमल लोचन पिछले 30 वर्षों से निःशुल्क पक्षी चिकित्सालय का संचालन कर रहे हैं और अब तक लाखों पक्षियों का उपचार कर उन्हें पुनः प्राकृतिक जीवन में स्थापित कर चुके हैं। सम्मान प्राप्त करने पर कमल लोचन ने सभी का आभार व्यक्त किया।

''क्लासिक्स ऑफ कल्याणजी-आनंदजी'' म्यूजिकल शो 17 मई को

जयपुर. शाबाश इंडिया। गोल्डन ऐरा म्यूजिकल सोसायटी द्वारा अपने वार्षिक कार्यक्रम के तहत ''क्लासिक्स ऑफ कल्याणजी-आनंदजी'' म्यूजिकल इवनिंग का आयोजन 17 मई को बिरला ऑडिटोरियम में शाम 5 बजे से 10 बजे तक किया जाएगा। यह कार्यक्रम रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन एवं आईवीएफ जिला जयपुर के सहयोग से आयोजित होगा। कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन राजस्थान पुलिस के अतिरिक्त महानिदेशक (आईपीएस) दिनेश एम.एन. द्वारा उनके कार्यालय में किया गया। सोसायटी के अध्यक्ष रोटेरियन सुधीर जैन गोधा एवं सचिव सीए संजय पाबूवाल ने बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से स्वर्गीय अभिनेता धर्मेंद्र और सुप्रसिद्ध गायिका आशा भोंसले के लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुति कर उन्हें श्रद्धांजलि दी जाएगी। मुख्य समन्वयक सीए नरेंद्र मित्तल एवं शो कॉन्सेप्ट डिजाइनर अनुराग मोहन दीक्षित ने बताया कि कार्यक्रम में गायक आलोक कटघरे, सर्वेश, गोविंद और विश्वनाथ तथा गायिकाएं बेला सालुंखे, शैलजा और प्राजक्ता लीजेंडरी बॉलीवुड म्यूजिशियंस के साथ अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगे।

संगम विश्वविद्यालय को एमएसएमई हैकाथॉन 5.0 में 14 रुपए लाख की अनुदान राशि स्वीकृत

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

संगम विश्वविद्यालय ने एक बार फिर नवाचार के क्षेत्र में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है। विश्वविद्यालय की छात्रा सुश्री अनन्या बाबेल का अभिनव प्रोजेक्ट एमएसएमई आइडिया हैकाथॉन 5.0 में चयनित हुआ है। इस उपलब्धि के तहत सरकार द्वारा इस प्रोजेक्ट को 14 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। उल्लेखनीय है कि देशभर से लगभग 2.5 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से केवल 502 प्रोजेक्ट्स का अंतिम चयन किया गया।

राजस्थान से कुल 5 स्टार्टअप्स का चयन हुआ, जिनमें संगम विश्वविद्यालय की अनन्या बाबेल का प्रोजेक्ट भी शामिल है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. करुणेश सक्सेना ने चयन पर बधाई देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय निरंतर छात्रों के समग्र विकास हेतु भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार की विभिन्न योजनाओं का सफल क्रियान्वयन कर रहा है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के डॉ. एस.एन. मोदानी, अनुराग सोनी एवं पलक मोदानी के मार्गदर्शन को दिया। कौशल उद्यमिता केंद्र के प्रमुख डॉ. मनोज कुमावत ने बताया कि इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य प्लास्टिक प्रदूषण को कम करना तथा सतत (टिकाऊ) उत्पादों को बढ़ावा देना है। चयन प्रक्रिया के दौरान इस प्रोजेक्ट ने अपनी नवाचार क्षमता, व्यावहारिक उपयोगिता और सामाजिक प्रभाव के आधार पर निर्णायकों को प्रभावित किया। यह चयन बहु-स्तरीय प्रक्रिया के माध्यम से हुआ, जिसमें मेजबान संस्थानों द्वारा मूल्यांकन, एमएसएमई मंत्रालय का आकलन, डोमेन विशेषज्ञ चयन समिति की समीक्षा तथा परियोजना निगरानी एवं सलाहकार समिति द्वारा विस्तृत मूल्यांकन शामिल रहा। गौरतलब है कि संगम विश्वविद्यालय इससे पूर्व भी एमएसएमई हैकाथॉन 2.0 में अपनी सफलता दर्ज करा चुका है, जिसमें विश्वविद्यालय को 15 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्राप्त हुई थी। यह लगातार दूसरी उपलब्धि है, जो विश्वविद्यालय में नवाचार और स्टार्टअप संस्कृति को दर्शाती है। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से उपकुलपति प्रो. मानस रंजन पाणिग्रही एवं रजिस्ट्रार डॉ. आलोक कुमार ने भी इस उपलब्धि पर बधाई दी।

महावीर इंटरनेशनल गढ़ी परतापुर द्वारा मादलदा में जीवन रक्षक टैबलेट किट वितरित

गढ़ी परतापुर. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल गढ़ी परतापुर द्वारा विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, मादलदा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत जीवन रक्षक टैबलेट किट का वितरण भी किया गया। समारोह की अध्यक्षता प्रधानाचार्य हेमंत शाह ने की, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में महावीर इंटरनेशनल एपेक्स के इंटरनेशनल डायरेक्टर (नॉलेज शेयरिंग एवं ई-चौपाल) अजीत कोठिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत में संस्था प्रधान ने महावीर इंटरनेशनल द्वारा सेवा कार्यों के लिए विद्यालय का चयन करने पर आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अजीत कोठिया ने पर्यावरण संरक्षण पर प्रकाश डालते हुए बताया कि बढ़ता प्रदूषण, प्लास्टिक का अत्यधिक उपयोग, जल का अपव्यय और भूजल का अंधाधुंध दोहन पृथ्वी के लिए गंभीर खतरा बनता जा रहा है। उन्होंने सभी से पर्यावरण संरक्षण के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। साथ ही महावीर इंटरनेशनल के स्वास्थ्य प्रोजेक्ट ''जीवन रक्षक टैबलेट किट'' के माध्यम से हृदयाघात से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई तथा विद्यालय प्रबंधन को किट भेंट की गई। कोठिया ने आगामी वर्षा ऋतु में अधिकाधिक वृक्षारोपण करने की अपील भी की। इस दौरान महावीर इंटरनेशनल की जोनल न्यूज बुलेटिन की प्रति भी विद्यालय के प्रधानाचार्य को भेंट की गई।

रोटरी क्लब जयपुर स्पार्कल की प्रेसिडेंट नाइट सम्पन्न

''आने वाले समय में और प्रभावी कार्य करेंगे'': डॉ. राजीव जैन

जयपुर. शाबाश इंडिया। रोटरी क्लब जयपुर स्पार्कल की प्रेसिडेंट नाइट मालवीय नगर स्थित एक होटल में आयोजित की गई। इस अवसर पर क्लब की भविष्य की योजनाओं पर विस्तृत मंथन किया गया। कार्यक्रम में क्लब के अध्यक्ष डॉ. राजीव जैन, सचिव डॉ. अनुराग तोमर एवं मेंटर कुलदीप सिंह ढिल्लों की विशेष उपस्थिति रही। सभी बोर्ड सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाते हुए आगामी योजनाओं, सेवा प्रकल्पों एवं भविष्य की गतिविधियों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। बैठक के दौरान नवाचार, समाजसेवा और संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर सहमति बनी। साथ ही, आने वाले समय में अधिक प्रभावी सामाजिक पहल करने की रूपरेखा भी तैयार की गई। इस अवसर पर अध्यक्ष डॉ. राजीव जैन ने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल सेवा करना नहीं, बल्कि समाज में स्थायी सकारात्मक परिवर्तन लाना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पूरी टीम के सहयोग से क्लब भविष्य में और अधिक प्रभावी कार्य करेगा। यह आयोजन क्लब के भीतर समन्वय, नेतृत्व क्षमता एवं टीम भावना को सुदृढ़ करने का सशक्त माध्यम बना, जिससे आगामी कार्यों के लिए नई ऊर्जा और दिशा प्राप्त हुई।

जीतो भीलवाड़ा लेडीज विंग द्वारा

''कॉन्शस ब्यूटी: नैतिकता, स्वास्थ्य और अहिंसा'' विषय पर जागरूकता सेमिनार आयोजित

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। जीतो भीलवाड़ा लेडीज विंग द्वारा 'सक्षम' प्रकल्प के अंतर्गत 'कॉन्शस ब्यूटी: नैतिकता, स्वास्थ्य और अहिंसा' विषय पर जागरूकता सेमिनार का आयोजन गुरुवार दोपहर को चौधरी डांगी, जीतो हाउस में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नवकार महामंत्र के मंगलाचरण के साथ हुआ। चेयरपर्सन नीता बाबेल ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत करते हुए आयोजन की भूमिका रखी। अमिता बाबेल ने मुख्य वक्ता सीए ध्रुव गोखरू (लेखक एवं जीआईआर नेचुरल तथा धर्मा सिम्प्लीफाइड के संस्थापक) का परिचय प्रस्तुत किया। मुख्य वक्ता ध्रुव गोखरू ने दैनिक उपयोग में आने वाले ब्यूटी एवं पर्सनल केयर उत्पादों में छिपे नॉन-वेज तत्वों और हानिकारक रसायनों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अनजाने में उपयोग किए जा रहे कई उत्पाद न केवल स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं, बल्कि अहिंसा के सिद्धांतों के भी विपरीत हैं। सेमिनार का उद्देश्य आमजन को जागरूक करना रहा, ताकि वे स्किनकेयर और ब्यूटी उत्पादों के चयन में सजग रहें तथा अहिंसा, स्वास्थ्य और जागरूक जीवनशैली के अनुरूप निर्णय ले सकें। इस अवसर पर प्रतिभागियों को उत्पादों के लेबल पढ़ने और समझने, छिपे हुए नॉन-वेज तत्वों की पहचान करने तथा 'ऑर्गेनिक' और 'क्रुएल्टी-फ्री' जैसे दावों की वास्तविकता जानने की महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। साथ ही साबुन, शैम्पू, क्रीम और टूथपेस्ट जैसे उत्पादों के उदाहरणों के माध्यम से सुरक्षित एवं नैतिक विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

|| श्री शान्तिनाथाय नमः ||

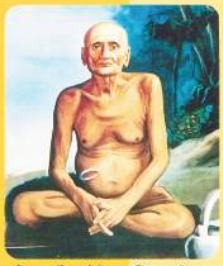

चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री 108 शान्ति सागर जी महाराज

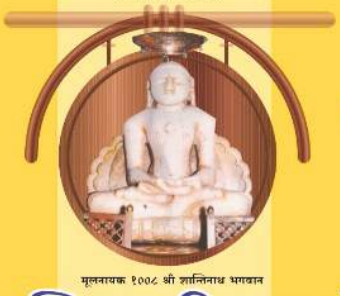

बेगस चलो

मूलनायक १००८ श्री शान्तिनाथ भगवान

बेगस चलो

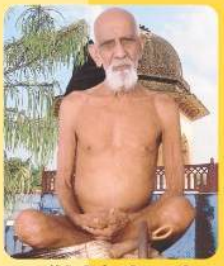

परम पूज्य तपोनिधि मुनिवर्य 108 श्री गुणसागर जी महाराज

श्री १००८ शान्तिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर

ग्राम बेगस, जिला-जयपुर (राज.)

- आमंत्रण पत्रिका -

आदरणीय धर्मानुरागी बन्धुवर,

सादर जय जिनेन्द्र।

जयपुर नगर के पश्चिमोत्तर भाग में अतिशयकारी देवाधिदेव श्री 1008 शान्तिनाथ भगवान की अति प्राचीन श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, ग्राम बेगस में 467 वर्ष से भी अधिक प्राचीन धरोहर है। मन्दिरजी की प्राचीनता से जर्जर युक्त अवस्था देखकर मन्दिरजी का पूर्णतया जीर्णोद्धार कर वास्तुकला के अनुरूप नूतन स्वरूप प्रदान कर गगन चुम्बी शिखर व तीन वेदीयों से युक्त भव्य आकार प्रदान किया गया। जिसकी वेदी प्रतिष्ठा का कार्यक्रम सम्पन्न करवाया गया। मन्दिरजी का 15वां वार्षिकोत्सव **रविवार-दिनांक 3 मई, 2026** को निम्नांकित कार्यक्रमानुसार विधानाचार्य श्री प्रद्युम्नकुमारजी जैन 'शास्त्री' जयपुर के कुशल निर्देशन में आयोजित है।

अतः आपसे सानुरोध निवेदन है कि सपरिवार एवं इष्ट मित्रों सहित पधारकर सातिशय पुण्यार्जन का अवसर प्राप्त करें।

15वाँ वार्षिकोत्सव

रविवार, दिनांक 3 मई, 2026

पावन आशीर्वाद

पूज्य उपाध्याय श्री 108 ऊर्जयन्तसागर जी मुनिराज

वास्तुविज्ञ
जैन गौरव श्री राजकुमार जी कोठ्यारी

क्रियाचार्य -
पं. प्रद्युम्नकुमारजी शास्त्री

- मांगलिक कार्यक्रम -

प्रातः 8.15 बजे- जिनेन्द्र अभिषेक, शान्तिधारा, नित्य नियम, ध्वजारोहण, दीप प्रज्वलन, शान्ति विधान पूजन, अतिथि सम्मान, कलशाभिषेक, माल के तत्पश्चात् वात्सल्य सहभोज

झण्डारोहणकर्ता

श्रीमती सुमनलता जी जैन
श्री प्रदीप जी जैन, श्रीमती खुशबू जी जैन, श्री किशना जी जैन
श्री निहाल जी जैन सौगानी सिनोदियावाले खातीपुरा, जयपुर

दीप प्रज्वलनकर्त्ता

श्रेष्ठी श्री नरेश जी नीना जी कासलीवाल
श्री प्रियांक जी प्रियांशी जी कासलीवाल
प्रचार संयोजक त्रिवेणी नगर, जयपुर
राजस्थान प्रान्त, अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन परिषद्

गौरवमयी अतिथि

श्रेष्ठी श्री जे.के.जैन
(कालाडेरावाले),
नेमी सागर कॉलोनी

सौधर्म इन्द्र

श्रेष्ठी श्री चेतन कुमार जी
श्रीमती रेखा जी छाबड़ा
(बगरु, बेगस वाले),
लाल कोठी, जयपुर

मुख्य अतिथि

श्री गजेन्द्र कुमार जी, प्रवीण जी - प्रिया जी
विकास जी-मेनका जी, अक्षित जी, तनिष्क जी
काशवी जी, लाव्या जी एवं समस्त बड़जात्या परिवार
(कामां वाले), वैशाली नगर, जयपुर

नवनिर्मित पाण्डाल एवं डोम के पुण्यार्जक एवं लोकर्पणकर्त्ता परिवार

श्रेष्ठी श्री अशोक कुमार जी- शकुन्तला देवी
श्री अंकित जी प्रियंका जी , आदिश जी जिनेशा जी जैन
चाँदवाड़ परिवार, कीर्ति नगर

विशिष्ट अतिथि

श्रेष्ठी श्री राजेश जी काला
श्रीमती रेणु जी काला

विशिष्ट अतिथि

श्रेष्ठी श्रीमती मनभरदेवी जी,
भागचन्द जी, राजकुमारी जी,
सौरभ जी,
प्रियंका जी
भव्यांश जी जैन

पूजन सामग्री पुण्यार्जक

स्व. श्री प्रेमचन्द जी एवं श्री धर्मचन्द जी बड़जात्या की पुण्य स्मृति में श्रीमती चन्द्रकान्ता जी,
श्रीमती मंजू जी,
पवन जी, हर्षित जी, दीपाली जी,
प्रिंस बड़जात्या
रेनवाल मॉझी वाले, वसुन्धरा कॉलोनी,
जयपुर

आजीवन संरक्षकगण

1. श्री जयकुमार जी बागड़िया 'कोटावाले' नेमीसागर
2. श्रीमती कमला देवी गंगवाल 'झरियावाले' नेमीसागर
3. श्रीमती कमला देवी छाबड़ा 'बेगसवाले'
4. श्रीमती मुन्ना देवी छाबड़ा 'बेगसवाले'
5. श्रीमती सुशीला देवी छाबड़ा 'बेगसवाले'
6. श्रीमती प्रेमदेवी छाबड़ा 'बेगसवाले'
7. श्रीमती अनोप देवी छाबड़ा 'बेगसवाले'
8. श्रीमती रेखा छाबड़ा 'बेगसवाले'
9. श्रीमती मन्जू छाबड़ा 'बेगसवाले'
10. श्रीमती स्नेहलता छाबड़ा 'बेगसवाले'
11. श्रीमती अंजू छाबड़ा 'बेगसवाले'
12. श्री रजत छाबड़ा 'बेगसवाले'
13. श्री पदमचन्द बेगस्या, जयपुर
14. श्री मोहनलाल बेगस्या, जयपुर
15. श्रीमती सूरज देवी बेगस्या, जयपुर
16. श्रीमती विजया देवी बेगस्या, जयपुर
17. श्रीमती तारादेवी बेगस्या, जयपुर
18. श्रीमती कान्ता पहाड़िया 'बगरुवाले'
19. श्रीमती नन्दा पहाड़िया 'बगरुवाले'
20. श्रीमती रंजना पहाड़िया 'बगरुवाले'
21. कु. पर्ल पहाड़िया 'बगरुवाले'
22. श्रीमती बरखा पाटनी, मुम्बई
23 श्रीमती मन्जू बड़जात्या, नेमीसागर
24. श्रीमती प्रेमलता अनोपड़ा, जयपुर
25. श्रीमती मीनू अनोपड़ा, जयपुर
26. श्री प्रदीप गंगवाल, नेमीसागर
27. श्रीमती अनीता ठोलिया, नेमीसागर
28. श्रीमती नरकल देवी अजमेरा, नेमीसागर
29. श्रीमती तारा देवी पहाड़िया, नेमीसागर
30. श्रीमती सुनीता गंगवाल, नेमीसागर
31. श्री राजकुमार कोठारी, जयपुर
32. श्री देवप्रकाश खण्डाका, जयपुर
33. श्रीमती तारामणि लोंग्या, जयपुर
34. श्री राजेन्द्र कुमार पाण्ड्या 'खोरावाले'
35. श्रीमती नेहा पाण्ड्या 'खोरावाले'
36. श्रीमती प्रेमलता देवी पाण्ड्या 'खोरावाले'
37. श्रीमती शान्ति देवी गंगवाल 'खोरावाले'
38. श्री राजमल गंगवाल 'खोरावाले'
39. श्री अक्षय कुमार मोदी पाण्ड्या 'खोरावाले'
40. श्रीमती कंचन देवी गंगवाल, कुचामनसिटी
41. श्रीमती मेहताब देवी पहाड़िया, चोराजवाले
42. श्रीमती शान्ति देवी वन, महुआवाले
43. श्रीमती सरोज शाह, पावटावाले
44. श्रीमती मन्जू शाह, पावटावाले
45. श्रीमती मुन्नी सेठी, मुकन्दपुरावाले
46. श्रीमती सूरज देवी सेठी, मुकन्दपुरावाले
47. श्रीमती रेणु सेठी, मुकन्दपुरावाले
48. श्रीमती शशि सेठी, मुकन्दपुरावाले
49. श्रीमती मन्जू सेठी, मुकन्दपुरावाले
50. श्रीमती प्रमिला सेठी, मुकन्दपुरावाले
51. श्री जयकुमार पाटनी 'कालाडेरावाले', नेमीसागर
52. श्रीमती किरन देवी बगड़ा, सुजानगढ़वाले
53. श्रीमती इन्द्रा देवी बगड़ा, सुजानगढ़वाले
54. श्रीमती गुलाब देवी सेठी, गोनेरवाले
55. श्रीमती मधु पाटनी, अजमेरवाले
56. श्री विमलकुमार बाकलीवाल, सावरदावाले
57. श्रीमती विदाम देवी चाँदवाड़, कोटखावदावाले
58. श्रीमती आशा जैन, मुंडियारामसरवाले
59. श्रीमती रानी जैन, मुंडियारामसरवाले
60. श्रीमती पन्नी देवी सेठी, चोपालवाले
61. श्रीमती तारादेवी पाटनी, जयपुरवाले
62. श्री अमरचन्द बड़जात्या, सिकन्दावाले
63. श्रीमती चन्द्रकान्ता बड़जात्या, रेनवालमाँजीवाले
64. श्री देवेन्द्र कुमार गंगवाल, किशनगढ़वाले
65. श्री छीतरमल भूरामल 'बरसीवाले', जयपुर
66. श्रीमती शान्ति देवी जैन, अजमेरवाले
67. श्रीमती गुणमाला देवी सबलावत, डीमापुर
68. श्री विनीत कुमार अजमेरा, मानसरोवर, जयपुर
69. श्रीमती कमला देवी शाह, चाकसूवाले
70. श्री बाबूलाल शाह, चाकसूवाले
71. श्रीमती रत्ना शाह, जयपुर
72. श्रीमती मनफूली देवी पाण्ड्या 'भुरटयावाले'
73. श्रीमती मनभर देवी बाकलीवाल 'सिरसवाले'
74. श्रीमती सोहन देवी सौगानी 'सांगानेरवाले'
75. श्रीमती सरोज बाकलीवाल, कोलकाता
76. श्रीमती सरला सेठी, मुम्बई
77. श्री मुकेश कुमार पाटनी, मालपुरा
78. श्री रतनलाल बैनाड़ा 'खटवाड़ावाले'
79. श्रीमती कान्ता देवी बैनाड़ा 'खटवाड़ावाले'
80. श्रीमती उषा पाटनी, गुवाहाटी
81. श्रीमती मन्जू देवी अनोपड़ा 'चौलीवाले'
82. श्रीमती आशा गोधा 'नांवावाले'
83. श्रीमती शिल्पा जैन 'किशनगढ़वाले'
84. श्रीमती अल्का कासलीवाल, सी-स्कीम, जयपुर
85. श्रीमती कंचन देवी लुहाड़िया, झोटवाड़ा जयपुर
86. श्री मोहनलाल छाबड़ा 'चूरुवाले'
87. श्री ताराचन्द बाकलीवाल 'निमेड़वाले'
88. श्रीमती मैना देवी बाकलीवाल 'निमेड़ा वाले'
89. श्रीमती तारा देवी बज 'सलहदीपुरावाले'
90. श्री रमेश कुमार पाटनी 'देवलीवाले'
91. श्रीमती निर्मला ठोलिया 'जोबनेरवाले'
92. श्रीमती सुमन सेठी, सुभाष प्रोजेक्ट, कोलकाता
93. श्रीमती सुमन छाबड़ा 'गुवाहाटीवाले'
94. कु. अनाईना जैन, नई दिल्ली
95. डॉ. सुधीर कुमार जैन, जयपुर
96. श्रीमती सपना बाकलीवाल 'दुर्गवाले'
97. श्रीमती मनीषा बाकलीवाल 'दुर्गवाले'
98. श्रीमती शशि छाबड़ा 'सीकरवाले'
99. श्रीमती विनोद देवी बाकलीवाल 'सामकुनवाले'
100. श्रीमती विमला देवी बज, कीर्तिनगर जयपुर
101. श्री राजकुमार सेठी 'सीकरवाले'
102. श्रीमती तारा देवी छाबड़ा, मानसरोवर जयपुर
103. श्री वृजसेन जैन 'ग्वालियरवाले'
104. श्री उम्मेदमल पहाड़िया, मुम्बई
105. श्रीमती गायत्री देवी जैन 'उलीगढ़वाले'
106. श्रीमती निधि बड़जात्या 'लालसोटवाले'
107. श्री चिरंजीलाल काला, शास्त्रीनगर जयपुर
108. श्री नेमीचन्द गंगवाल, नेमीसागर
109. श्रीमती कान्ता देवी सौगानी, कीर्तिनगर जयपुर
110. श्रीमती पताशी देवी अजमेरा 'नांगलवाले'
111. श्रीमती सविता देवी अजमेरा 'नांगलवाले'
112. श्री भागचन्द कासलीवाल 'कुनरावतवाले'
113. श्री कुलदीप चौधरी 'बगरुवाले'
114. श्रीमती सन्तोष देवी पाटनी 'चौरुवाले'
115. श्रीमती सरोज देवी जैन, वैशालीनगर जयपुर
116. श्री पवन कुमार गोदिका, जयपुर
117. श्री सुधीर कुमार सेठी 'मुकुन्दपुरावाले'
118. श्रीमती मुन्ना देवी बाकलीवाल 'निमेड़ावाले'
119. श्रीमती हीरा देवी झांझरी 'सूरतवाले'
120. श्रीमती सुधा जैन 'टीकमगढ़वाले'
121. पंडित श्री विमल कुमार जैन 'धनेठवाले'
122. श्री बाबूलाल जैन 'सिवाड़वाले'
123. श्री राजेन्द्र कुमार बड़जात्या 'चौमूंवाले'
124. श्री राजेन्द्र कुमार बड़जात्या 'मौजमाबादवाले'
125. श्रीमती मुन्नी बैनाड़्या, मेंहदी का चौक जयपुर
126. श्री महेन्द्र कुमार पाटनी 'डीमापुरवाले'
127. श्री गणेश कुमार राणा, सी-स्कीम, जयपुर
128. श्री प्रकाशचन्द बाकलीवाल 'निमेड़ावाले'
129. श्री पदमचन्द सेठी 'अजमेरवाले'
130. श्री प्रभुदयाल ठोलिया 'किशनगढ़ रेनवालवाले'
131. श्री देवेन्द्र कुमार बाकलीवाल 'निमोड़ियावाले'
132. श्री ताराचन्द पाटनी 'कालाडेरावाले'
133. श्री अशोक कुमार चाँदवाड़, वसुन्धरा कॉलोनी
134. श्री महेश कुमार सेठी 'मुकुन्दपुरावाले'
135. श्री टीकमचन्द ठोलिया, शान्तिनगर, जयपुर
136. श्री राजेन्द्र लुहाड़िया 'लुहाड़िया चेरिटेबल ट्रस्ट'
137. श्रीमती सुजाता सेठी, नेमीसागर
138. श्रीमती नमिता ठोलिया, नेमीसागर
139. श्रीमती नीलम गंगवाल, मुम्बई
140. श्री अनिल कुमार छाबड़ा 'इमफालवाले'
141. श्रीमती निकिता छाबड़ा 'बेगसवाले'
142. श्रीमती मन्जू देवी सेठी, नेमीसागर
143. श्रीमती रिलिया गंगवाल, नेमीसागर
144. श्री रतनलाल ठोलिया 'डिगोनियावाले'
145. श्री महावीर कुमार कासलीवाल 'साईवाड़वाले'
146. श्रीमती जानकी देवी गंगवाल 'तुंगावाले'
147. श्री भागचन्द छाबड़ा 'टाकनड़ावाले'
148. श्री टीकमचन्द पाटोदी 'नांवावाले'
149. श्रीमती उमराव देवी छाबड़ा, लालकोठी जयपुर
150. श्री अजय कुमार पाटोदी, जयपुर
151. श्री सुरेश कुमार गंगवाल, सुभाष नगर जयपुर
152. श्री मीनू छाबड़ा 'बेगसवाले', जयपुर
153. श्रीमती मन्जू बड़जात्या 'रेनवालमांजीवाले'
154. श्री अमरचन्द काला 'दातावाले', जयपुर
155. श्री अनन्त कुमार बैनाड़ा, अग्रवाल फार्म, जयपुर
156. श्री अशोक कुमार ठोलिया (सांभरवाले जयपुर)
157. श्री सुरेश कुमार सेठी (चिथवाड़ीवाले जयपुर)
158. श्रीमती सरोज देवी पाटोदी (गिरिडीहवाले झारखण्डवाले)
159. श्री पवन कुमार काला (चाँदावाले जयपुर)
160 श्री सुनील कुमार सौगानी (नांवावाले जयपुर)
161. श्री विद्वान छाबड़ा (बेगसवाले जयपुर)
162. श्री रजत-मानसी छाबड़ा (बेगसवाले जयपुर)
163. श्री प्रेमचन्द जी कोठ्यारी (मधुबन कॉलोनी)
164. स्व. श्री सुनील कुमार जी की पुण्य स्मृति में श्रीमती आशा बड़जात्या, जयपुर
165. श्री मुकेश कुमार जी ठोलिया, जोबनेर वाले, झोटवाड़ा
166. श्री टीकमचन्द जी अजमेरा, सांगानेर
167. श्री विशाल कुमार जी जैन, [illegible]
168. श्री राकेश कुमार जी मोदी, [illegible]
169. श्री राजेश कुमार जी काला, [illegible]
170. श्री सेठ आलोक आशा जैन, [illegible], जयपुर
171. श्री भागचन्द जी बाकलीवाल साखूनवाले
172. श्रीमती मनोरमा देवी जी छाबड़ा, मधुबन कॉलोनी
173. श्री अशोक कुमार जी झांझरी, नेमीसागर कॉलोनी
174. श्री वरुण कुमार जी चाँदवाड़, सिद्धार्थ नगर
175. श्री महावीर कुमार जी रांवका, सिद्धार्थ नगर
176. श्री दिलीप कुमार जी कासलीवाल, मधुबन
177. श्री प्रशान्त जी अजमेरा
178. श्री गजेन्द्र कुमार जी बड़जात्या, कामांवाले, वैशाली नगर
179. श्री हेमन्त कुमार जी गोदीका
180. श्री प्रज्वल कुमार जी पाटोदी, इन्दौर
181. श्री ज्ञानचन्द जी जैन (सावर वाले), वैशाली नगर

परम संरक्षकगण-

श्रेष्ठी श्रीमान् अशोक कुमार जी अंकित कुमार जी चांदवाड़, कीर्तिनगर, जयपुर
श्री प्रकाश चन्द जी शशि जी सेठी (मुकुन्दपुरा वाले)
श्री चेतनकुमारजी रेखाजी जैन छाबड़ा, श्री डॉ. आनन्दकुमार जी-डॉ. मिनी जी,
श्री मनन जैन छाबड़ा-बगरु-बेगस वाले, (लालकोठी, जयपुर)
श्री नरेश कुमार जी- श्रीमती कान्ता जी पहाड़िया, बगरुवाले (कोलकाता)
श्री विनोद कुमार जी- श्रीमती नन्दा जी पहाड़िया, बगरुवाले (कोलकाता)
श्री जितेन्द्र कुमार जी- श्रीमती रंजना जी पहाड़िया (नागपुर)
श्री सुरेश कुमार जी- श्रीमती सरिता जी पाटनी (ईसेकसवाले), कोलकाता
श्रीमती कमला देवी जी गंगवाल (धर्मपत्नी स्व. श्री पूनमचन्द जी गंगवाल-झरियावाले)
श्री सुभाषचन्द जी-श्रीमती सुमन जी सेठी
(सुभाष प्रोजेक्ट एण्ड मार्केटिंग लि.), कोलकाता
श्री संतोष कुमार जी-प्रेमलता जी अनोपड़ा (निवासी-चौली, प्रवासी-जयपुर)
श्री निर्मल कुमार जी- श्रीमती नीलम जी गंगवाल (निवासी-कुचामनसिटी, प्रवासी-मुम्बई)
श्री माणक चन्द जी- श्रीमती कमला देवी जी छाबड़ा (बेगसवाले), जयपुर
श्रीमती सूरजदेवी जी बेगस्या (धर्मपत्नी स्व. श्री बाबूलाल जी बेगस्या), शास्त्री नगर
श्री गुलाबचन्द जी राजेन्द्र कुमार जी पाण्ड्या (खोरावाले)
श्री कल्याणमल जी पूनमचन्द जी ठोलिया(जोबनेर वाले), नेमीसागर कॉलोनी, जयपुर
श्रीमती किरण देवी जी बगड़ा (धर्मपत्नी स्व. श्री शान्तिलालजी बगड़ा),
सुजानगढवाले, ज्योति नगर
श्रीमती सुमन जी छाबड़ा (धर्मपत्नी श्री राजेन्द्र कुमार जी छाबड़ा), गुवाहाटी
श्रीमती अनोपदेवी जी छाबड़ा धर्मपत्नी स्व. श्री भौरीलाल जी छाबड़ा, बेगसवाले, जयपुर
श्री फूलचन्द जी कपूरीलाल जी राकेश जी पाटनी (निवासी-लाडनूं/प्रवासी-सूरत)
श्री सुरेश कुमार जी गंगवाल-श्रीमती कान्तादेवी जी गंगवाल, सुभाष नगर, जयपुर
श्रीमती उमा जी धर्मपत्नी श्री महावीर कुमार जी जिनेश जी रांवका, सिद्धार्थ नगर
श्री राकेश कुमार जी शिल्पा जी मोदी, नेमीसागर कॉलोनी
श्री जय कुमार जी जैन, श्रीमती मंजू जी बड़जात्या, नेमीसागर कॉलोनी

182. श्री निर्मल कुमार जी तेरापंथी, सिद्धार्थ नगर
183. श्री सतीश जी बाकलीवाल, सिद्धार्थ नगर
184. श्री हरकचन्द जी छाबड़ा, मधुबन - टोंक फाटक
185. श्री नरेन्द्र कुमार जी ठोलिया, मधुबन - टोंक फाटक
186. श्री अवनेश जी जैन कासलीवाल, मधुबन - टोंक फाटक
187. श्रीमती मंजू जी जैन, शान्ति नगर
188. श्री नरेश कुमार जी कासलीवाल, त्रिवेणी नगर
189. श्री विनोद जी जैन कोटखावदा
190. श्रीमती राखी जी जैन, मोहनबाड़ी
191. श्रीमती रचना मनीष एवं यश बैद

भोजन व्यवस्था प्रभारीगण.... सर्वश्री रमेश जी छाबड़ा, अशोक जी छाबड़ा, सुनील जी बेगस्या, प्रमोद जी छाबड़ा कमल जी छाबड़ा, पूरणप्रकाश जी बेगस्या, हर्षित जी बड़जात्या, अनिल जी जैन, जोबनेर वाले, हितेश जी पाटनी, चौरुवाले

आयोजक - प्रबन्धकारिणी समिति श्री 1008 शान्तिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर, ग्राम बेगस, जिला-जयपुर (राज.)

विनीत - सकल दिगम्बर जैन समाज, ग्राम बेगस, जिला-जयपुर (राज.)

मुख्य समन्वयक

पूनम चन्द ठोलिया
अध्यक्ष
98290-81559

जयकुमार जैन बड़जात्या
94143-23692

सुरेश छाबड़ा
मंत्री
93149-32520

एवं समस्त पदाधिकारी कार्यकारिणी सदस्यगण

पत्रिका पुण्यार्जक परिवार.................

जैन मूर्तियों के लिए विश्वसनीय स्थान
Murli Moorti Kala Kendra
Shop: Khajane Walon Ka Rasta, 2nd Crossing, Chandpole Bazar, Jaipur-302001
Office/Resi: 1376, Gayatri Bhawan, 3rd Cross, Khejro Ka Rasta, Chandpole Bazar, Jaipur
Contact: 98291-48913 | 98295-38058 | 98285-47714 98291-48913 | 98285-47714 Email: murlimoorti@gmail.com